राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

संख्या–36/2025

प्रेस–विज्ञप्ति

राजभवन में ओडिशा दिवस का आयोजन किया गया

पटना, 01 अप्रैल, 2025 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने राजभवन, बिहार के दरबार हॉल में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत ओडिशा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया तथा ओडिशा के निवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी एवं राज्य के प्रगति और समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति का दृष्टिकोण सार्वभौमिक रहा है। हम सब अपनी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की चिंता करते हैं। हमारा यह दृष्टिकोण बनाने में ओडिशा ने मदद की है। इस दृष्टिकोण के आइकॉनिक सिम्बल 'भगवान जगन्नाथ' हैं, जो सिर्फ भारत के ही नहीं, बल्कि दुनिया के नाथ हैं।

राज्यपाल ने कहा कि विश्व के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में हम पाते हैं कि विविधता समाज को परेशान करनेवाली रही है और इसे कमजोरी के रूप में देखा जाता रहा है, परन्तु भारत में ऐसी बात नहीं रही है। भारतीय सभ्यता की यात्रा इस उद्घोषणा के साथ शुरू हुई है कि सत्य एक है, उसे जानने का प्रयास करनेवाला उसका बखान अलग–अलग तरीके से करता है। भारतीय अध्यात्म में जैन परंपरा का बुनियादी सिद्धांत ही स्यादवाद अथवा अनेकान्तवाद का है। भगवान बुद्ध ने कहा कि 'अप्प दीपो भवः' अर्थात् अपना सत्य स्वयं तलाश करो। यही भारत की विशेषता है। भारत ने विविधता को कभी असहज महसूस नहीं किया।

उन्होंने कहा कि हमारी भाषा, वेश–भूषा, रहन–सहन, खान–पान इत्यादि भले ही भिन्न हैं, लेकिन सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से हम सभी एक हैं और हमारा देश एक है। हमें अपने देश के विभिन्न राज्यों के बारे में जानना चाहिए। जो चीजें विश्व के अनेक देशों में हैं उन सबको हम अपने भारत में देख सकते हैं। हमें अपनी संस्कृति का बोध होना चाहिए। भारत का हर राज्य हमारा है और वहाँ की संस्कृति हमारी अपनी संस्कृति है।

राज्यपाल ने कहा कि ओडिशा ने अनेक विभूतियों को जन्म दिया है। वहाँ की कला, नृत्य, साहित्य आदि खूबसूरत हैं। सम्राट अशोक बिहार के थे, किन्तु उन्हें आत्मज्ञान का बोध कलिंगा की पहाड़ियों पर हुआ। उन्होंने कहा कि ओडिशा ने विषम परिस्थितियों में भारत की प्राचीन परंपराओं को सुरक्षित रखा है।

आगे पृष्ठ....2 पर

राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित तथा दुनिया का अग्रणी राष्ट्र बनाने में अन्य राज्यों की तरह ओडिशा का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा।

राज्यपाल ने इस अवसर पर भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में ओडिशा के माननीय राज्यपाल डॉ० हरि बाबू कंभमपति के वीडियो संदेश तथा ओडिशा राज्य पर आधारित वीडियो का प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती रेशमा आरिफ, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, पटना विश्वविद्यालय के कुलपति, बिहार के रहकर काम करनेवाले ओडिशा के महानुभावगण एवं उनके परिजन, बिहार में रहकर पढ़ाई करनेवाले ओडिशा के छात्र–छात्राएँ तथा राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

.....